वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :3 अंक : 164 | बुधवार 11 अक्टूबर 2023 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

राजस्थान में भाजपा के संभावित सीएम चेहरे पर दीया कुमारी-राज्यवर्धन सिंह राठौड़ का बड़ा बयान, कार्यकर्ता हुए खुश

राजस्थान में सीएम के संभावित चेहरों में से एक होने की खबरों पर भाजपा उम्मीदवार दीया कुमारी का कहना है, ये सभी अटकलें हैं। ऐसा कुछ नहीं है। फिलहाल, पार्टी का ध्यान इस पर है कि हर किसी को एक साथ मिलकर चुनाव लड़ना है।

जयपुर. कासं

राजस्थान में भाजपा की ओर मुख्यमंत्री पद का उम्मीदवार कौन होगा। इस राज का खुलासा अभी तक नहीं हो सकता है। सभी कयास लगा रहे हैं। राजस्थान भाजपा की पहली लिस्ट जारी हो चुकी है। दीया कुमारी और राज्यवर्धन सिंह राठौड़ का नाम इस लिस्ट में है। राजस्थान में भाजपा की ओर मुख्यमंत्री पद का उम्मीदवार कौन होगा। इस प्रश्न पर दीया कुमारी-राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने कुछ ऐसा कहा कि कार्यकर्ता खुश हो गए। राजस्थान सीएम के संभावित चेहरों में से एक होने की खबरों पर भाजपा उम्मीदवार दीया कुमारी का कहना है, ये सभी अटकलें हैं। ऐसा कुछ नहीं है। आगामी राजस्थान चुनाव के लिए पार्टी के सीएम चेहरे पर भाजपा नेता राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने इस सवाल पर गोल मोल सा जवाब दिया। भाजपा पहली लिस्ट में 41 उम्मीदवारों के नाम का एलान किया गया है। जिसमें 7 सांसद शामिल है। दीया कुमारी और राज्यवर्धन सिंह राठौड़ भी सांसद हैं। अब ये विधायकी का चुनाव लड़ेंगे। आगामी राज्य चुनावों में भाजपा सांसदों को मैदान में उतारे जाने पर पार्टी नेता राज्यवर्धन सिंह राठौड़ का कहना है, कार्यकर्ताओं में एक नया उत्साह आया है। कुछ लोग जो पीएम मोदी के साथ काम करते थे और जिन्हें पीएम मोदी ने ध्यान से देखा है, उन्हें विधानसभा में उतारा जा रहा है। हम युद्ध लड़ने के लिए तैयार हैं, हम कोई सीट नहीं छोड़ेंगे, कोई मोर्चा नहीं छोड़ेंगे। यह एक अच्छा संदेश है यह इस देश के लिए एक लड़ाई है।

ये सभी अटकलें हैं, दीया कुमारी ने दिया जवाब

राजस्थान में सीएम के संभावित चेहरों में से एक होने की खबरों पर भाजपा उम्मीदवार दीया कुमारी का कहना है, ये सभी अटकलें हैं। ऐसा कुछ नहीं है। फिलहाल, पार्टी का ध्यान इस पर है कि हर किसी को एक साथ मिलकर चुनाव लड़ना है। आगामी राजस्थान चुनाव के लिए भाजपा द्वारा मैदान में उतारे जाने पर पार्टी नेता दीया कुमारी कहती हैं, मैं हमारे केंद्रीय नेतृत्व और राज्य नेतृत्व को धन्यवाद देती हूं कि उन्होंने मुझे यह मौका दिया। मैं पूरी कोशिश करूंगी कि जनता के सारे काम हो जाएं। हम यह चुनाव अच्छे अंतर से जीतेंगे और राजस्थान में अपनी सरकार बनाएंगे।

राजस्थान में एक बड़े बदलाव की जरूरत: राज्यवर्धन सिंह राठौड़

आगामी राजस्थान चुनाव में भाजपा उम्मीदवार बनाए जाने पर राज्यवर्धन सिंह राठौड़ कहते हैं, मैं आभारी हूं कि भाजपा कार्यकताओं और पीएम मोदी को विश्वास था कि मैंने एक सांसद के रूप में जो काम किया है, उसे विधानसभा में दोहरा सकूंगा। राजस्थान में एक बड़े बदलाव की जरूरत है। आगामी राजस्थान चुनाव के लिए पार्टी के सीएम चेहरे पर भाजपा नेता राज्यवर्धन सिंह राठौड़ कहते हैं, सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि एक टीम इस तरह से काम करें जो राजस्थान में विकास की राजनीति कर सके और बदलाव ला सके। पिछले 5 साल में एक 'चेहरे' ने राजस्थान को बर्बाद कर दिया है। भाजपा में रिपोर्ट कार्ड की राजनीति होती है- वंशवाद नहीं। भाजपा के कार्यकर्ता कैसे काम करते हैं, यह बताने वाला चेहरा पीएम मोदी का है।

झोटवाड़ा में टिकट का विरोध: गुस्साए राजपाल समर्थकों ने टायर जलाए, हाईकमान को दिया दो दिन का अल्टीमेटम

जयपुर. शाबाश इंडिया

झोटवाड़ा विधानसभा सीट पर भाजपा की ओर से सांसद राज्यवर्धन सिंह राठौड़ को उम्मीदवार घोषित किए जाने का पूर्व मंत्री राजपाल सिंह शेखावत के समर्थकों ने विरोध शुरू कर दिया है। मंगलवार को दोपहर दो बजे राजपाल सिंह के समर्थन में सैकड़ों कार्यकर्ता वैशाली नगर स्थित एक गार्डन में एकत्र हुए। करीब 3:30 बजे राजपाल भी पहुंचे। 30 मिनट तक बंद हॉल में बैठक हुई और उसके बाद राजपाल होटल में ही रुके और कार्यकर्ता प्रदेश कार्यालय के लिए रवाना हो गए। प्रदेश कार्यालय पर पहुंचकर राजपाल के समर्थकों ने प्रदर्शन किया और पार्टी हाईकमान को साफ कह दिया कि दो दिन में राजपाल सिंह को झोटवाड़ा से टिकट नहीं मिली तो जोरदार प्रदर्शन किया जाएगा। बैठक में झोटवाड़ा विधानसभा क्षेत्र के जो पार्षद पहुंचे उनका कहना था कि राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने सांसद कोटे से वार्ड में एक भी काम नहीं करवाया है। साढ़े नौ वर्ष से वे यहां पर सक्रिय नहीं हैं। अन्य विधानसभा क्षेत्रों में सक्रिय रहे। पार्टी उनको वहीं से टिकट देती।

सत्संग बदल देता जीवन, नास्तिक भी बन जाता आस्तिकः इन्दुप्रभाजी म.सा.

सच्चे मन से सुन ले जिनवाणी संसार सागर से हो जाएंगे पारः दीप्तिप्रभाजी म.सा.

सुनील पाटनी. शाबाश इंडिया

भीलवाड़ा। जीवन में सत्संग का बहुत महत्व है। सत्संग व्यक्ति को बदल देता है। सत्संग में जो नियम लेते है उनकी पालना करे ओर धर्म के प्रति दृढ़ आस्थावान बने रहे। सत्संग से मानव क्या पशु, पक्षी भी सुधर जाते है। नास्तिक आस्तिक बन जाता है ओर बुरी आदते रखने वाला भी उनका त्याग कर जीवन सुधार लेता है। जिनवाणी श्रवण करने वाले को पतित से पावन बना देती है। ऐसे में जब भी जिनवाणी श्रवण का सुअवसर प्राप्त हो उसे कभी नहीं छोड़े। धर्म करने के लिए बुढ़ापा आने का इन्तजार नहीं करे बल्कि जब तक बुढ़ापा न आ जाए तब तक धर्म करते रहे। ये विचार भीलवाड़ा के चन्द्रशेखर आजादनगर स्थित रूप रजत विहार में मंगलवार को मरूधरा मणि महासाध्वी श्रीजैनमतिजी म.सा. की सुशिष्या महासाध्वी इन्दुप्रभाजी म.सा. ने नियमित चातुर्मासिक प्रवचन में व्यक्त किए। उन्होंने जैन रामायण का वाचन करते हुए भी विभिन्न प्रसंगों की चर्चा की। आदर्श सेवाभावी दीप्तिप्रभाजी म.सा. ने कहा कि जिनवाणी सुनने से आत्मीय आनंद की प्राप्ति होती है ओर सच्चे मन से सुनने वाला संसार सागर से पार हो सकता। जीवन में सत्य धारण करने पर सुख ओर शांति मिलती है। अपनी आत्मा का हित करने वाला कभी दूसरों का अहित नहीं कर सकता। उन्होंने दृष्टान्त के माध्यम नियम पालन का महत्व समझाते हुए कहा कि नियम लेना ही पर्याप्त नहीं बल्कि उनकी पालना भी सच्चे मन से करनी चाहिए तभी वह सार्थक होंगे। तरूण तपस्वी हिरलप्रभाजी म.सा. ने भजन ''प्यारा है मंत्र नवकार प्यारा'' की प्रस्तुति देने के साथ अधिकाधिक जिनवाणी श्रवण कर धर्म प्रभावना करने की प्रेरणा दी। धर्मसभा में मधुर व्याख्यानी डॉ. दर्शनप्रभाजी म.सा., आगम मर्मज्ञा डॉ. चेतनाश्रीजी म.सा., तत्वचिंतिका डॉ. समीक्षाप्रभाजी म.सा. आदि ठाणा का सानिध्य भी रहा। अतिथियों का स्वागत श्री अरिहन्त विकास समिति द्वारा किया गया। सचांलन समिति के मंत्री सुरेन्द्र चौरड़िया ने किया। नियमित चातुर्मासिक प्रवचन प्रतिदिन सुबह 8.45 बजे से 10 बजे तक हो रहे है। चातुर्मासकाल में रूप रजत विहार में प्रतिदिन सूर्योदय के समय प्रार्थना, दोपहर 2 से 3 बजे तक नवकार महामंत्र का जाप हो रहा है।

सर्वव्याधि निवारक घण्टाकर्ण महावीर स्त्रोत का जाप

रूप रजत विहार में मंगलवार को सुबह 8.30 बजे से सर्वसुखकारी व सर्वव्याधि निवारक घण्टाकर्ण महावीर स्त्रोत जाप का आयोजन किया गया। मधुर व्याख्यानी डॉ. दर्शनप्रभाजी म.सा. ने ये जाप सम्पन्न कराया। इसमें बड़ी संख्या में श्रावक-श्राविकाओं ने भाग लेकर सभी तरह के शारीरिक कष्टों के दूर होने एवं सर्वकल्याण की कामना की। चातुर्मासकाल में प्रत्येक मंगलवार को सुबह 8.30 से 9.15 बजे तक इस जाप का आयोजन हो रहा है।

महासाध्वी जैनमतिजी म.सा. की जयंति पर तेला आराधना 17 से

मरूधरा मणि महासाध्वी श्रीजैनमतिजी म.सा. की 106वीं जयंति के उपलक्ष्य में 17 से 19 अक्टूबर तक एकासन एवं आयम्बिल का संयुक्त तेला तप होगा। इसके तहत 17 एवं 19 को एकासन एवं 18 अक्टूबर को आयम्बिल की तपस्या होगी। पूज्य महासाध्वी इन्दुप्रभाजी म.सा. द्वारा अधिकाधिक श्रावक-श्राविकाओं को जयंति पर एकासन-आयम्बिल का तेला करने की प्रेरणा दी जा रही है।

तीर्थराज सम्मेद शिखर जी पर रोपवे बनाए जाने का प्रबल विरोध

जैन श्रद्धालुओं की आस्था के साथ खिलवाड़ नहीं सहेगा जैन समाज

पारस जैन पार्श्वमणि पत्रकार

धरती का स्वर्ग अनेकानेक भव्य जीवों की तप, त्याग और साधना की पवित्र पावन भूमि 20 तीर्थंकरों की निर्वाण स्थली जिसके लिए कहा जाता है एक बार बंदे जो कोई ताहि नरक पशुपति नहीं हाई एक बार भावपूर्ण वंदना करने से पशु और नरक गति दोनों के ही बंधन छूट जाते हैं ऐसे पवित्र पावन तीर्थ क्षेत्र जिसकी माटी का कण कण पूजनीय वंदनीय अभिनंदनीय है जहां जाने से संपूर्ण पापों का परिमार्जन अर्थात पापों का नाश हो जाता है और पुण्य का संचय होता है ऐसे तीर्थराज सम्मेद शिखर तीर्थ पर केंद्र सरकार के अंतर्गत भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण ठल्अकद्वारा 6 किमी लंबे रोप-वे बनाने का निर्णय लिया जाना बड़ा दुखद निर्णय है। जो कि बिना जैन समाज की प्रबंध कमेटियों की आज्ञा के लिया गया है। संपूर्ण भारत की जैन समाज इस निर्णय से आहत है यह निर्णय उनकी आस्था के साथ खिलवाड़ हैं। अभी कुछ दिनों पूर्व ही कई वर्षों पुराना इंदौर स्थित गोमटगिरी क्षेत्र का मसला सुलझा। उनको रास्ते के लिए जमीन देनी पड़ी देखिए कैसी विधि की विडंबना है एक तीर्थ का मसला सुलझा तो तीर्थराज सम्मेद शिखर जी का मसला उलझा। यह हमारे साथ कैसी विडंबना है उधर कई सालो पूर्व हमारे प्राचीन तीर्थ गिरनार क्षेत्र पर हमारे मुलनायक भगवान नेमिनाथ जी के चरण चिन्ह के पास दत्तात्रेय की प्रतिमा स्थापित कर गेट बना दिया गया और बाद में 117 करोड रुपए उस दत्तात्रेय मंदिर के सौंदरीकरण के लिए गुजरात की सरकार ने मंजूर कर दिए गए। यह जैन समाज की

आस्था के साथ खिलवाड़ है अभी नहीं तो कभी नहीं अब समय आ गया है हमें इस विषय पर संपूर्ण जैन समाज को मिलकर ठोस निर्णय लेने का प्रयास करना चाहिए।अब पंथवाद ग्रंथवाद संतवाद से ऊपर उठकर धर्म बचाओ तीर्थ बचाओ तीर्थ पर बाउंड्री वॉल करवाओ यह नारा जैन समाज को अंतरंग में धारण करना पड़ेगा इस पर संपूर्ण साधु संतों का भी ध्यान केंद्रित करना होगा। वह समय निकल गया है जब हम नए-नए गगन चुंबी मंदिर बनाएं करोड़ों की लागत से नए मंदिर बनाने की जगह जितने भी प्राचीन तीर्थ अतिशय सिद्ध क्षेत्र हैं जैन तीर्थ स्थान है जो हजारों करोड़ों की लागत से बने है जो भी निर्वाण क्षेत्र, जन्म क्षेत्र और तीर्थंकरों के कल्याणक जहां हुए हैं तीर्थ आतिशय सिद्ध क्षेत्र हैं उनकी प्राचीन भव्यता ऐतिहासिकता पुरातत्वता ज्यो की त्यों बनी रहनी चाहिए उनकी सुरक्षा के लिए ऐसा घेरा बनाया जाए ऊंची ऊंची बाउंड्री उठाई जाए बिना अनुमति प्रवेश न दिया जाए। यात्रियों के रुकने की सुलभ व्यवस्था की जाए यात्रियों की संख्या बढ़ाई जाए और कानूनी रूप से सभी प्रकार की दस्तावेज कंप्लीट शीघ्र किया जाए। छोटे बड़े सभी साधु संत निरंतर इन स्थानों में चातुर्मास ग्रीष्मकालीन शीतकालीन वाचना करते रहे शिविर आदि का आयोजन करते रहे। जैन लोगों को जागरूक करें अब आप सरकार के भरोसे नहीं रह सकते है। दो तीन साल के संपूर्ण बड़े छोटे आयोजन मात्र तीर्थों की रक्षा और सुरक्षा को समर्पित हो।

राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी
पारस जैन पार्श्वमणि पत्रकार कोटा (राज)
9414764980

भगवान महावीर के जयकारों के साथ रवाना हुई श्री महावीर जी की 37 वीं पदयात्रा

पदयात्रा मोहनपुरा-दौसा-सिकन्दरा-गुढाचन्द्र जी होते हुए 15 अक्टूबर को पहुचेगी श्री महावीर जी पदयात्री अहिंसा एवं शाकाहार का करेगें प्रचार प्रसार

जयपुर. शाबाश इंडिया

भगवान महावीर के संदेश जीओ और जीने दो, अहिंसा, शाकाहार सहित जैन धर्म, जैन संस्कृति के प्रचार-प्रसार के उद्देश्य को लेकर श्री दिगम्बर जैन पदयात्रा संघ जयपुर के तत्वावधान में जयपुर से श्री महावीर जी की 135 किलोमीटर मार्ग की 37 वीं पदयात्रा मंगलवार, 10 अक्टूबर को दोपहर में संघ के संरक्षक सुभाष चन्द जैन एवं पदयात्रा के संयोजक सुशील जैन के नेतृत्व में भगवान महावीर के जयकारों के साथ संघीजी की नसिया खानिया से रवाना हुई । संघ के प्रचार प्रभारी विनोद जैन 'कोटखावदा' ने बताया कि पदयात्रा रवानगी से पूर्व संघीजी की नसिया में जिनेन्द्र भगवान के सामूहिक दर्शन, आरती तथा संसार के सभी जीवों की मंगल कामना हेतु सूर्य प्रकाश छाबड़ा के निर्देशन में मंगल प्रार्थना की गई । पदयात्रा को समाजसेवी हरक चन्द, सुशील जैन कोटखावदा ने जैन ध्वज दिखाकर रवाना किया। इस मौके पर राजस्थान जैन युवा महासभा के प्रदेश अध्यक्ष प्रदीप जैन,प्रदेश मंत्री अशोक पाटनी,धर्म जागृति संस्थान के अध्यक्ष पदम बिलाला, समाजसेवी कैलाश चन्द जैन, नवीन जैन, समाजसेविका शकुंतला पाण्डया, दीपिका जैन कोटखावदा, नलिनी जैन सहित गणमान्य श्रेष्ठीजनो ने पदयात्रियों को दुपट्टे पहनाकर तथा पदयात्रा के पूर्व संयोजकों सुरेश ठोलिया, कुन्थी लाल रावंका, प्रकाश गंगवाल, सूर्य प्रकाश छाबड़ा, सलिल जैन, सुनील चौधरी, मैना बाकलीवाल , अमर चन्द दीवान खोराबीसल, मनीष लुहाड़िया, राजेन्द्र जैन मोजमाबाद,राज कुमार बडजात्या, विनोद जैन 'कोटखावदा', देवेन्द्र गिरधरवाल , जिनेन्द्र जैन, पवन जैन आदि ने शुभकामनाएं दीं।

पिंडदान करने पर भी जारी रखना चाहिए पितरों का श्राद्ध कर्म : डॉ. पंडित रामस्वरूपजी शास्त्री

भीलवाड़ा. शाबाश इंडिया। श्राद्ध का अर्थ ही पितरों की शांति का उपाय करना है। श्राद्ध कर्म उन्हें शांति प्रदान करने के लिए ही किया जाता है। इस भ्रम में नहीं रहना चाहिए कि गया में पिंडदान कर दिया तो इसके बाद श्राद्ध व्यवस्था का विधान नहीं है। शास्त्रों की मान्यता है कि पिंडदान के बाद भी श्राद्ध कर्म जारी रखना चाहिए। ये विचार अन्तरराष्ट्रीय श्री रामस्नेही सम्प्रदाय शाहपुरा के अधीन शहर के माणिक्यनगर स्थित रामद्वारा धाम में वरिष्ठ संत डॉ. पंडित रामस्वरूपजी शास्त्री (सोजत सिटी वाले) ने मंगलवार को चातुर्मासिक सत्संग प्रवचनमाला के तहत व्यक्त किए। उन्होंने गर्ग संहिता के माध्यम से चर्चा करते हुए कहा कि श्रीराम सीताजी के साथ गयाजी में पिता राजा दशरथ का श्राद्ध करने गए थे। सीता द्वारा नदी किनारे बनाया गया रेती का पिंड गायब होने पर वह मानसिक पूजा से ही पूजा समाप्त कर नियत स्थान पर चली गई। इसके बाद श्रीराम पिंड बनाकर तर्पण करने लगे तो वह सीताजी के पिंड की तरह स्वीकार नहीं हुआ तो राम सोचने लगे कि क्या कमी रह गई। इतने में आवाज आई कि मैं दशरथ बोल रहा हूं मुझे तो पिंड सीता ने अर्पण कर दिया पर फिर भी तुम श्राद्ध कर्म कर लोक कल्याण के लिए पितरों का श्राद्ध करने रहना। शास्त्रीजी ने कहा कि जिसकी जो तिथि आती है उसी तिथि को उसका श्राद्ध किया जाना चाहिए क्योंकि हो सकता वह आगे पुनः पंचतत्वों के शरीर में पुर्नजन्म ले चुका हो। श्राद्ध कर्म से ही उन्हें शांति मिलेगी।

उपाध्याय श्री ऊर्जयन्त सागर जी मुनिराज की मोन साधना शुरू

जयपुर. शाबाश इंडिया

आमेर स्थित फागीवालान मन्दिर जी में वर्षायोग प्रवासरत पूज्य उपाध्याय श्री ऊर्जयन्त सागर जी मुनिराज की मोन साधना आज मंगलवार दिनांक 10 अक्टूबर से शुरू हो गई। मुख्य संयोजक रूपेन्द्र छाबड़ा ''अशोक'' ने बताया कि यह मोन साधना मंगलवार 10अक्टूबर से बुधवार 25 अक्टूबर तक होगी। इस दरम्यान गुरुदेव के दर्शन- प्रवचन का लाभ श्रावको को प्राप्त नहीं होगा। इस अवधि में उपाध्याय श्री मौन साधना में रहेंगे ,अतः आप सभी से विनम्र आग्रह है। इस पन्द्रह दिवस की अवधि में दर्शनार्थ ना पधारें।

वेद ज्ञान

संपूर्ण व्यक्तित्व

अपने सम्मान के बजाय अपने चरित्र के प्रति अधिक गंभीर रहें। आपका चरित्र ही यह बताता है कि आप वास्तव में क्या हैं। आज एक संपूर्ण व्यक्तित्व की जरूरत है। व्यक्ति में तीन प्रकार की क्षमताएं होती हैं-सहज, अर्जित और ओढ़ी हुई। सहज क्षमता किसी-किसी में होती है। सहज क्षमता जिसमें होती है उसका व्यक्तित्व काफी अंशों में पूर्ण होता है। वह जो कुछ सोचता है, उसे उसी रूप में निष्पन्न कर लेता है। कार्य की निष्पत्ति के लिए न तो निरर्थक दौड़-धूप करनी पड़ती है और न ही वह किसी अवसर को खो सकता है। सहज-समर्थ व्यक्ति अपने काल को इतना उजागर कर देता है कि शताब्दियों-सहस्राब्दियों तक वह युग के चित्रपट पर मूर्तिमान रहता है। कुछ व्यक्ति ऐसे होते हैं जो बहुत ही साधारण व्यक्तित्व लेकर इस धरती पर आते हैं, किंतु अपने पुरुषार्थ से चमक जाते हैं। उन्हें व्यक्तित्व-विकास के लिए जो भी अवसर मिलता है, वे मुक्तभाव से उसका उपयोग करते हैं। इनकी क्षमता अर्जित होती है, फिर भी कालांतर में वह स्वाभाविक-सी बन जाती है। ऐसे व्यक्ति भी अपने समाज और देश को दुर्लभ सेवाएं दे सकते हैं। इसीलिए ऐसे व्यक्तियों केलिए विद्वान डोनाल्ड एम नेल्सन को कहना पड़ा कि हमें यह मानना बंद कर देना चाहिए कि ऐसा कार्य जिसे पहले कभी नहीं किया गया है, उसे किया ही नहीं जा सकता है। तीसरी पंक्ति में वे व्यक्ति आते हैं जिनके पास न तो सहज क्षमता होती है और न वे क्षमता का अर्जन ही कर पाते हैं, किंतु स्वयं को सक्षम कहलवाना चाहते हैं। कोई दूसरा उन्हें मान्यता दे या नहीं, वे अपने आप महत्वपूर्ण बन जाते हैं। इस आरोपित क्षमता से कभी कोई विकास हो, संभव नहीं लगता। ओढ़ी हुई क्षमता वाले व्यक्ति या नेता गरिमापूर्ण दायित्व को ओढ़कर भी उसको निभा नहीं सकते। इसलिए उन्हीं व्यक्तियों का इस क्षेत्र में आना या लाना उचित रहता है जो सहज या अर्जित क्षमता से संपन्न होते हैं। विचारक जॉन वुडन ने कहा भी है कि ह्यअपने सम्मान के बजाय अपने चरित्र के प्रति अधिक गंभीर रहें। आपका चरित्र ही यह बताता है कि आप वास्तव में क्या हैं, जबकि आपका सम्मान केवल यही दर्शाता है कि दूसरे आपके बारे में क्या सोचते हैं। कोई आज छाया में इसलिए बैठा हुआ है, क्योंकि किसी ने काफी समय पहले एक पौधा लगाया था।

संपादकीय

खिलाड़ियों के दमखम से जगी उपलब्धियों की उम्मीद

इस वर्ष चीन में हांगझाउ एशियाई खेलों में भारत की ओर से अलग-अलग खेलों के लिए जब टीमों को भेजा जा रहा था, उस समय यह संकल्प साफ दिख रहा था कि अब मैदान में सिर्फ जीतने के लिए नहीं, बल्कि उससे आगे के सफर के लिए जमीन बनाने की कोशिश होगी। इस आयोजन की समाप्ति के बाद पदक तालिका में भारत को जो जगह मिली, वह उम्मीद के अनुरूप थी, लेकिन उससे अहम बात यह है कि लगभग सभी प्रतियोगिताओं में हमारे खिलाड़ियों ने जो दमखम दिखाया, वह भविष्य की अंतरराष्ट्रीय खेल प्रतियोगिताओं में एक मजबूत दखल का संकेत देता है। गौरतलब है कि एशियाई खेलों के लिए खिलाड़ियों को रवाना करने से पहले ही ''इस बार सौ पार'' का नारा दिया गया था। उस नारे में छिपे हौसले और उम्मीद को भारतीय खिलाड़ियों ने पूरा करके अपनी क्षमता साबित की। एशियाई खेल 2023 में भारत ने कुल एक सौ सात पदक जीते। यह पहली बार है जब भारत ने किसी

एशियाई खेल में इतने पदक हासिल किए। इससे पहले भारत का सबसे अच्छा प्रदर्शन सत्तर पदकों का था, जो 2018 में जीते गए थे। इस वर्ष उपलब्धियों की शुरूआत निशानेबाजी में महिलाओं की दस मीटर एअर राइफल टीम ने की, जिसे रजत पदक मिला। पहले दिन भारतीय खिलाड़ियों ने पांच पदक जीते। एक अच्छी शुरूआत को और बेहतर करते हुए दूसरे दिन एअर राइफल में ही पुरुष टीम ने पहला स्वर्ण पदक जीता और इस दिन भारत के पदकों की संख्या ग्यारह हो गई। इसके बाद अन्य खेलों में भी भारत के खिलाड़ियों ने बेहतर प्रदर्शन किए और मैदान में जीत दर्ज करते गए। घुड़सवारी, तीरंदाजी, मुक्केबाजी, टेनिस, स्क्वैश, नौकायन, भाला फेंक, एथलेटिक्स आदि कई खेलों में भारतीय खिलाड़ियों ने मजबूत चुनौतियों का सामना करते हुए कांस्य, रजत और स्वर्ण पदक अपने हिस्से किया और इस तरह पदकों की तालिका में देश को एक सम्मानजनक पायदान पर पहुंचाया। इस बार खासतौर पर भारत की पुरुष हाकी पर सबकी नजर थी, जिसके सामने कई मजबूत टीमों की चुनौती थी। फाइनल में जापान को भारतीय जीत की राह में एक ठोस दीवार माना जा रहा था। मगर भारतीय हाकी टीम ने इस प्रतियोगिता में अपने दमखम की निरंतरता को कायम रखा और फाइनल में जापान को एक के मुकाबले पांच गोल से हरा कर चौथी बार खिताब अपने नाम किया। हालांकि इससे पहले भी भारत ने तीन बार एशियाई खेलों में हाकी का स्वर्ण पदक जीता था। खासतौर पर हाकी के लिहाज से देखें तो ताजा उपलब्धि के साथ भारत ने अगले साल पेरिस में होने वाले ओलंपिक खेलों में हिस्सा लेने का अधिकार हासिल कर लिया है। गौरतलब है कि अगर किसी वजह से भारत स्वर्ण पदक का खिताब नहीं जीत पाता तो उसे ओलंपिक में शामिल होने के लिए कई स्तर के क्वालिफाइंग दौर की मुश्किल राह को पार करना पड़ता। इसके अलावा, इस आयोजन में भारत की महिला क्रिकेट टीम का स्वर्ण पदक जीतना इस दृष्टि से भी महत्त्वपूर्ण है कि अब क्रिकेट को अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में वैश्विक खेल का आयाम हासिल करने में मदद मिलेगी। **-राकेश जैन गोदिका**

परिदृश्य

युद्ध की राह...

गाजा पट्टी की ओर से शनिवार को किए गए हमास के राकेट हमले के बाद उस समूचे इलाके में पहले से जटिल हालात और ज्यादा बिगड़ गए। अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू को इसे जंग की स्थिति कहना पड़ा। उन्होंने यहां तक कहा कि हमारे दुश्मनों को इसकी ऐसी कीमत चुकानी होगी, जिसके बारे में उनको पता भी नहीं होगा। दूसरी ओर, हमास के एक नेता ने भी कहा कि ''अब बहुत हो चुका''। यानी एक तरह से हमास और इजराइल के बीच खुले युद्ध का एलान हो गया है और अब नहीं चाहने के बावजूद दुनिया के सामने एक और ऐसी त्रासदी को देखने की नौबत आ गई है, जिसमें आखिरी खमियाजा आम लोगों को ही भुगतना पड़ता है। ताजा हमले के बाद हमास ने दावा किया कि उसने बीस मिनट के भीतर इजराइल पर पांच हजार राकेट दागे। इसके अलावा, हमास के कई आतंकी भी इजराइली सीमा के भीतर दाखिल हो गए और उन्होंने वहां के कई सैनिकों को पकड़ने का भी दावा किया। दोनों तरफ जान-माल का अच्छा खासा नुकसान हुआ है। साथ ही हिज्बुल्ला के भी मैदान में कूद पड़ने से नए समीकरण उभरने के संकेत हैं। इजराइल और हमास के बीच टकराव से इस बार न केवल उस समूचे क्षेत्र में तस्वीर ज्यादा बिगड़ने की आशंका है, बल्कि इसका अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी असर पड़ सकता है। दरअसल, पहले दिन ही फ्रांस, जर्मनी और यूरोपीय संघ ने जहां हमास के हमलों की निंदा की, वहीं ईरान की ओर से हमास का समर्थन करने की खबरें आईं। यानी इस मसले पर अभी से खेमे बनने शुरू हो गए हैं और कहना मुश्किल है कि ताजा घटनाक्रम कौन-सी दिशा अख्तियार करेगा। इसलिए स्वाभाविक ही इजराइल में भारतीय दूतावास ने कहा कि मौजूदा हालात को देखते हुए वहां रह रहे भारतीय सतर्क रहें और स्थानीय प्रशासन की ओर से दिए जा रहे दिशानिर्देशों का पालन करें। इस बार हमास के तेज हमले और उसके प्रति इजराइल की प्रतिक्रिया में जिस स्तर का तीखापन देखा जा रहा है, उसमें हालात तुरंत संभलने की उम्मीद कम ही है। इजराइली सेना ने भी युद्ध की घोषणा कर दी है। अब युद्ध और हिंसा का दायरा यदि और फैला तो इसकी चपेट में अधिक संख्या में आम नागरिक आएंगे। गौरतलब है कि हमास और इजराइल के बीच टकराव का एक लंबा इतिहास रहा है। वेस्ट बैंक, गाजा पट्टी, गोलन हाइट्स पर कब्जे को लेकर दो अलग-अलग पक्षों और पूर्वी येरूशलम में नागरिकता को लेकर दोहरी नीति आदि मसलों पर विवाद की जड़ से शुरू हुआ टकराव आज इस दशा में पहुंच चुका है कि इजराइल और फिलस्तीन आमतौर पर आमने-सामने ही रहते हैं। इजराइल की नीतियों और कई बार आक्रामक फैसलों को लेकर फिलस्तीन के विद्रोही गुट हमास की ओर से आक्रामक प्रतिवाद किया जाता है। विडंबना यह है कि इस मसले को हल करने या शांति के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कोई ठोस पहलकदमी नहीं देखी जाती है। इसलिए हमास के हमले और उसके जवाब में इजराइल की प्रतिक्रिया का नतीजा क्या निकलना है, यह समझा जा सकता है। यह छिपा नहीं है कि रूस-यूक्रेन युद्ध के नतीजे में केवल प्रभावित इलाकों के नागरिक ही मुश्किल में नहीं है, बल्कि अनाज की आपूर्ति से लेकर अन्य संबंधित मामलों और कारोबार पर भी इसका असर पड़ा है।

डॉ . आशीष बम्होरी आगरा में हुए पं. गोपालदास वरैया स्मृति विद्वत्परिषद् पुरस्कार 2023 से सम्मानित

राजेश रागी. रत्नेश जैन बकस्वाहा

आगरा। आगरा उत्तर प्रदेश में तीर्थंकर भगवान महावीर स्वामी निर्वाण के 2550 वर्ष के उपलक्ष्य में आयोजित राष्ट्रीय विद्वत संगोष्ठी एवं अखिल भारतवर्षीय दिगम्बर जैन विद्वत्परिषद् (रजि .) के 48 वें अधिवेशन के अवसर पर परम पूज्य मुनि पुंगव मुनि श्री सुधासागर जी महाराज के ससंघ सान्निध्य में श्री दिगम्बर जैन मन्दिर , हरीपर्वत , आगरा (उ.प्र.) में दिनांक 10 अक्टूबर 2023 को छतरपुर जिले की बकस्वाहा तहसील अंतर्गत ग्राम बम्हौरी (नैनागिरि) निवासी एकलब्य विश्वविद्यालय दमोह में असिस्टेंट प्रोफेसर के पद पर पदस्थ डॉ . आशीष कुमार जैन बम्हौरी को पं . गोपालदास वरैया स्मृति विद्वत्परिषद् पुस्कार - 2023 से पुरस्कृत किया गया । जैन धर्म सम्मत रचनात्मक कार्य में योगदान के लिए यह पुरस्कार प्रदान किया। राजेन्द्र नाथूलाल जैन मेमोरियल चेरिटेबल ट्रस्ट, सूरत श्रीमती मुन्दीदेवी, ज्ञानेन्द्रकुमार गदिया , संजयकुमार स्व . नीरज गदिया परिवार के पुण्यार्जक में दिया गया। पुरस्कार में ग्यारह हजार रुपए की राशि, प्रशस्ति पत्र , साल द्वारा सम्मानित किया गया। इस अवसर पर अकान्त मनीषी डॉ . रमेश चंद जैन दिल्ली के अभिनन्दन ग्रन्थ विमोचन करके भेंटकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर अन्य 14 विद्वानों को भी सम्मानित किया गया। डॉ . आशीष कुमार जैन, बम्हौरी को इस पुरस्कार प्राप्त होने पर विद्वत परिषद् के अध्यक्ष प्रो . अशोक कुमार जैन , वाराणसी , उपाध्यक्ष प्रो . सुरेन्द्र कुमार जैन ' भारती ' , महामंत्री प्रो . विजय कुमार जैन , प्रो . रमेशचंद्र जैन , प्रो फूलचंद्र जैन प्रेमी , डॉ . अरुण कुमार जैन, प्राचार्य अभयकुमार जैन , प्रो . सुदर्शन लाल जैन, पं संजीव जी महरौनी , डॉ . जयकुमार जैन , प्राचार्य महेन्द्र जैन , डॉ . पुलक जी , डॉ सुमत जैन, उदयपुर, डॉ. सुनील जैन ' संचय', डॉ . आशीष जैन आचार्य , प्रो . ऋषभचन्द्र जैन फौजदार , डॉ . आशीष जैन शिक्षाचार्य , डॉ . विमल कुमार जैन , जयपुर शीतलचन्द्र जैन , डॉ . धर्मेन्द्र जैन , डॉ . ज्योति जैन खतौली, सुरेन्द्र कुमार जैन, वाराणसी, प्राचार्य सुरेन्द्र जैन भगवा आदि उपस्थित सभी विद्वानों ने शुभकामनाएँ एवं बधाई प्रेषित की।

रोटरी क्लब जयपुर सिटिजन ने क्लब सदस्यों को दी सायबर क्राइम से बचने की जानकारी

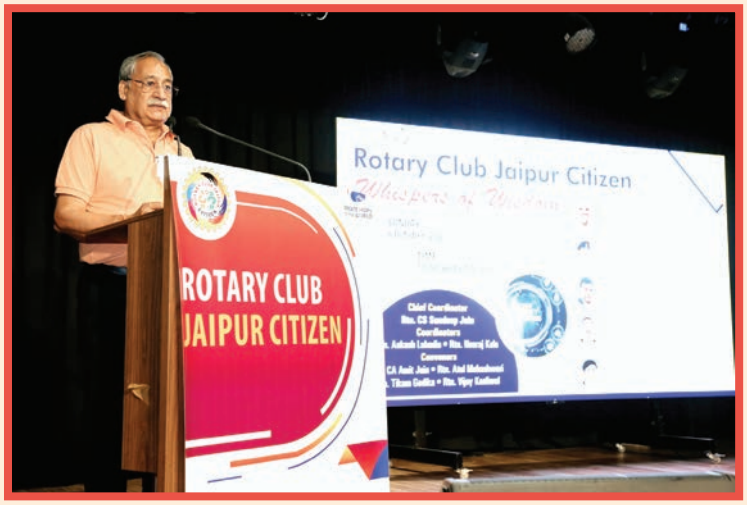

जयपुर. शाबाश इंडिया

रोटरी क्लब जयपुर सिटीजन के द्वारा राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर में क्लब सदस्यों के लिए साइबर क्राइम पर एक सेमिनार का आयोजन किया गया। क्लब अध्यक्ष राजेश गंगवाल ने बताया कि क्लब द्वारा सदस्यों के अवेयरनेस के लिए इस सेमिनार का आयोजन किया गया। सेमिनार में साइबर क्राइम से किस प्रकार से बचा जाये एक्सपर्ट्स द्वारा बताया गया। सेमिनार के चीफ कॉर्डिनेटर संदीप जैन ने बताया कि चार एक्सपर्ट्स को आमंत्रित किया गया था जिन्होंने विस्तार पूर्वक इस विषय पर जानकारी दी। साइबर क्राइम और फ्रॉड पर डीजीपी साइबर क्राइम रवि प्रकाश मेहरडा ने अपने उद्बोधन में सोशल मीडिया के बड़ते चलन के साथ साइबर क्राइम की घटनाओं उनसे बचने के उपायों पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने हेल्पलाइन न 1930 की भी जानकारी दी। एचडीएफसी बैंक के सीनियर वाईस प्रेसिडेंट प्रियांक विजय ने बताया की बैंक किस किस तरह से आपकी मदद कर सकता है और बैंक से आप क्या क्या सहायता ले सकते है । उन्होंने सीनियर सिटीजन के लिए बैंक से दी जाने वाली इंश्योरेंस सुविधा के बारे में भी विस्तार से बताया। सेमिनार के तीसरे स्पीकर शहर के जाने माने एडवोकेट जितेंद्र मित्रुका थे, उन्होंने कानूनी जानकारी से सदस्यों को अवगत कराया। सेमिनार के चौथे स्पीकर एचडीएफसी एर्गो के वाईस प्रेसिडेंट दिवाकर शेरान थे उन्होंने साइबर क्राइम हो जाने पर इंश्योरेंस कम्पनी किस किस तरह से मदद कर सकती है इस पर प्रकाश डाला। क्लब सचिव कमल बडजात्या ने बताया की सेमिनार में क्लब के 150 सदस्यों ने हिस्सा लिया । चार्टर अध्यक्ष सुधीर जैन ने सभी का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन सुनील बिल्टीवला ने किया। सेमिनार के कॉर्डिनेटर नीरज काला और आकाश लूहाडिया ने सभी स्पीकर्स का सम्मान किया।

परमात्मा की अमृतमय वाणी को जीवन मे समावेश करने वाला दुखों और पीड़ाओ से छुटकारा प्राप्त कर सकता है : महासती धर्मप्रभा

सुनिल चपलोत. शाबाश इंडिया

चैन्नई। विषयो और विकारों को छोड़ने वाले मनुष्य के जीवन में सुख आने मे ज्यादा समय नहीं लगता है। मंगलवार साहुकारपेट जैन भवन महासती धर्मप्रभा ने श्रध्दांलूओ को धर्म उपदेश देतें हुए कहा कि परमात्मा की वाणी मीठ्ठी और अमृत के समान है जो व्यक्ति भगवान की वाणी को अपने जीवन मे समावेश कर लेता है। वह संसार की सम्पूर्ण पीड़ाओं और दुखों से छुटकारा प्राप्त कर लेता है। तथा भोगो और कसायो के साथ विषयों के विकारो मे लिप्त रहने वाला इंसान हमेशा दुखी और पीड़ाओ व संकटों मे गिरा हुआ रहता है। ऐसा व्यक्ति जीवन प्रयाय सुख नहीं भोग सकता है।यह संसार असार है परमात्मा की वाणी सत्य है इस वितराग वाणी को जो भीतर मे उतार लेता है और उसे आत्म साध कर लेता है वह मनुष्य संसार के भौतिक वस्तुओं और विकारों के मोह से छुटकारा प्राप्त करके वह अपनी आत्मा को शुध्द बनाकर मोक्ष गति दिलवा सकता है। साध्वी स्नेहप्रभा ने उत्तराध्यय अध्ययन शास्त्र की गाथाओं का वर्णन करतें हुए बताया मनुष्य की दिशा अगर सही है तो वह अपनी तकदीर को बदल सकता है और संसार के तुच्छ साधनों को प्राप्त करने मे लग गया तो वह मनुष्य भव को बर्बाद और नीलम करके अपने भव को बिगाड़ लेगा।साहुकारपेट श्रीसंघ के कार्याध्यक्ष महावीर चन्द सिसोदिया ने जानकारी देतें हुए बताया की धर्मसभा मे महासती धर्मप्रभा साध्वी स्नेहप्रभा के सानिध्य मे श्री एस.एस. जैन संघ के अध्यक्ष एम.अजितराज कोठारी मंत्री सज्जनराज सुराणा,हस्तीमल खटोड़,सुरेश डूगरवाल,शम्भूसिंह कावड़िया तथा भारतीय जैन संघठना तमिलनाडु के उपाध्यक्ष दौलतराज बाठिया आदि सभी ने14 और 15 अक्टूम्बर को साहुकारपेट जैन भवन.मे दो दिवसीय बालिकाओं को आत्म निर्भर बनाने की स्मार्ट गर्ल्स वर्कशॉप कार्यशाला का पोस्टर विमोचन किया गया।

23 नवंबर को राजस्थान में चुनाव से 1 करोड़ से अधिक मतदाता वोट देने से रहेंगे वंचित, पुनर्विचार करे चुनाव आयोगः अभिषेक जैन बिट्टू

23 नवंबर को देवउठनी एकादशी, प्रदेश में 1 लाख से अधिक विवाह। टेंट, बस, इवेंट, टेक्सी, बैंड-बाजे सहित सभी व्यवसायी परेशान

जयपुर. शाबाश इंडिया। चुनाव आयोग द्वारा प्रदेश में चुनाव की घोषणा करने से एक तरफ सभी प्रत्याशी उत्साही नजर आ रहे है तो वही दूसरी तरफ टेंट, बस, इवेंट, टेक्सी, बैंड-बाजे सहित सभी व्यवसायी परेशान नजर आ रहे है क्योंकि प्रदेश में चुनाव 23 नवंबर को होने जा रहे है और उसी देवउठनी एकादशी भी है जो हिंदुओं सहित सनातन धर्म का सबसे बड़ा त्योहार है इस अबूझ मुहूर्त होता है और देशभर में अनगिनत शादियां रहती है अकेले राजस्थान में 23 नवंबर को 1 लाख से अधिक शादियां है, इसके अलावा अबूझ मुहूर्त होने से अनेकों नए प्रतिष्ठान भी खुलेगे जिससे ना केवल व्यवसायी परेशान है बल्कि प्रदेश का आम नागरिक भी परेशान नजर आ रहा है। युवा सामाजिक कार्यकर्ता अभिषेक जैन बिट्टू ने कहा की प्रदेश में चुनाव होने चाहिए किंतु चुनाव जनता को ध्यान में रखकर होने चाहिए, चुनाव आयोग ने बिना विचार विमर्श किए और बिना तीज - त्यौहार देखे आनन - फानन में चुनावों की तारीख का एलान कर दिया। प्रदेश में 23 नवंबर को चुनाव होने से 1 करोड़ से अधिक लोगों को वोट देने से रोका जा रहा है जो पूरी तरह से संविधान के खिलाफ है, खुलेआम लोकतंत्र की हत्या है। चुनाव आयोग की नैतिक जिम्मेदारी बनती है की वह प्रत्येक मतदाता को मतदान स्थल पर पहुंचाकर अधिक से अधिक मतदान करवाए और लोकतंत्र की स्थापना करे किंतु प्रदेश में जिस प्रकार से चुनाव की तारीख का एलान हुआ है उसमें चुनाव आयोग लोकतंत्र और संविधान के विपरीत काम करती नजर आ रही है। अभिषेक जैन बिट्टू ने कहा की चुनाव आयोग को 23 नवंबर के बजाय अतिरिक्त तारीख पर चुनाव करवाने पर विचार करना चाहिए। इससे ना केवल लोकतंत्र बचेगा, बल्कि संविधान का भी सम्मान होगा साथ ही सनातन धर्म का भी सम्मान होगा, देवउठनी एकादशी के दिन चुनाव की घोषणा से सनातन धर्मावलंबियों की आस्था को गहरी ठेस पहुंची है।

मानवीय संवेदनाओं की हृदय स्थली है काव्य संग्रह कैलाशी

पुस्तक समीक्षा

काव्य संग्रह : कैलाशी
लेखिका : डॉ .कांता मीना
प्रकाशक : सूर्य प्रकाशन मंदिर बीकानेर
प्रकाशन वर्ष : 2023
पृष्ठ 112 मूल्य 300 रुपए

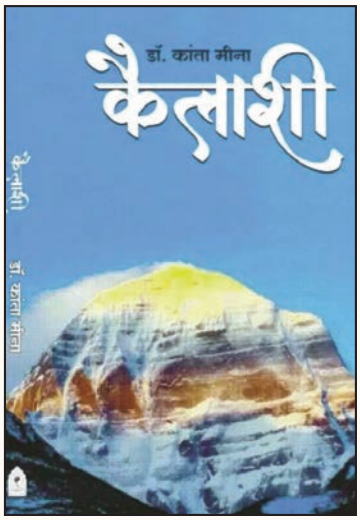

देश की जानी-मानी लेखिका डॉ. कांता मीना की कहानियों के बाद कैलाशी शीर्षक से काव्य संग्रह सूर्य प्रकाशन बीकानेर से प्रकाशित हुआ। कैलाशी डॉ. मीना का प्रथम काव्य संग्रह है । जिसमें 69 कविताओं को समाहित किया गया है । काव्य संग्रह की पहली कविता है, हे कैलाशी जिसको ही पुस्तक का शीर्षक बनाया है। शीर्षक रचना लेखिका ने अपनी मां कैलाशी के नाम पर लिखा है। लेखिका में मां के प्रति अपनी अटूट श्रद्धा दर्शाती है। वे कहती है की हे कैलाशी मैं रहूंगी सदा तुम्हारे दर्शन की अभिलाषी,तुम्हारी मोहिनी मूर्त हृदय में ऐसे रची बसी है जैसे भूलोक पर प्राण वायु जरा जरा सी। काव्य संग्रह की एक अन्य कविता है ''मां तुम बहुत याद आई'' इसको पढ़ने से लगा की लेखिका का अपनी मां से गहरा लगाव रहा है। जिसे वे भूल नहीं पा रही है। डॉ. मीना इस कविता में कहती है जब छुट्टियों में मां मै घर आई दरवाजे के बाहर तेरी जूतियां न पाई। परिंडे से लेकर बाड़े तक छत से लेकर चौबारे तक तुझे ढूंढ आई पर तू कहीं ना पाई यह कविता ग्राम भाषा में रची है जिसे पढ़ते वक्त आंखें नम हो जाती है। डॉ. कांता मीना को अपनी मां से विशेष लगाव है जिसके कारण इसी संग्रह में वह मां पर एक और नई कविता का सृजन करती हैं कविता का शीर्षक है मां इस मां कविता के द्वारा वे कहती है की। मां ने मुझे निडर बनाया है। मां ने ही सत्य के पथ पर चलना सिखाया है। वे कहती है मां ने सिखाया ही नहीं था डरना बस चुप रहकर अपने घावो को मरहम बनाकर खुद ही तो था भरना ।लेखिका ने पिता पर भी काव्य का सृजन किया है इस संग्रह के पृष्ठ 18 पर अंकित है पिताजी शीर्षक से कविता जिसमें पिता की महिमा का गुणगान किया गया है। पिता के त्याग व बलिदान को हर कोई नहीं देख पाता। पिता शांत रहकर अपने बच्चों के भविष्य को संवारता हैं। इस कविता में लेखिका यही बताना चाहती है कि त्याग व बलिदान का दूसरा नाम है पिता। डॉ. मीना खूद आदिवासी समुदाय से होने के कारण गर्व से कहती हैं हां हम आदिवासी हैं इस कविता में आदिवासी समुदाय आज भी आधुनिकता के साथ-साथ अपनी परंपराओं को निभाते आ रहे हैं इसी का बखान किया गया है । आधुनिकता के साथ-साथ हम आज भी अपनी परंपराएं निभाते हैं। हां हम आदिवासी हैं। हर क्षेत्र में अपना परचम लहराते हैं। इसके अलावा इसी संग्रह के पृष्ठ 43 पर आदिवासीयत को बताती एक कविता और है जिसमें लेखिका आदिवासी क्या है उनकी परंपराएं रीति रिवाज क्या है यह बताती है। लेखिका ने इस संग्रह में भारत के वीर सैनिकों को की जिंदगी को बयां करती कविता भी लिखी है जो पृष्ट संख्या 47 पर रणबांकुरे शीर्षक से है । इस कविता मे लेखिका कहती है। सरहदों पर जो तुम रणबांकुरे इस कदर खड़े हो । तुम कहां उन दुश्मनों से डरे हो फौलादी है जज्बात तुम्हारे तुम तो उस हिमालय की चोटी से भी बड़े हो। बेटियां बाप के सिर की पगड़ी होती है लेकिन समाज में बेटियों का होना आज अभिशाप सा हो गया है। लेखिका डॉ. मीना अपनी कविता बेटियों के माध्यम से बेटियों को अपने सपनों की उड़ान भरने की प्रेरणा देती है वे कहती है। आसमान कहां तय करता है उड़ान उनके सपनों की। बस अंतिम छोर के क्षितिज तक उड़ान चाहती है बेटियां। काव्य संग्रह कैलाशी को पढ़ने से लगता है की लेखिका अपनी मां से विशेष लगाव रखती हैं । इसलिए वे मां पर एक और कविता लिखती हैं। जिसमें वे दिन भर कार्य करते हुए मां की चिंता व्यक्त करती है । लेखिका लिखती है एक मां ही है तो है जो कभी आराम नहीं करती।

डॉ.मीना ने चंबल ढूंढ रही है,भागीरथ कविता के माध्यम से पूर्वी राज्य में पानी की कमी का वर्णन किया है। साथ ही महंगाई, बचपन, सड़क, लक्ष्य जैसी कविताओं में अपनी उम्दा लेखनी का परिचय दिया है। काव्य संग्रह कैलाशी की अन्य सभी रचनाएं मानवीय संवेदनाओं से भरी हुई है। क्योंकि लेखिका एक संवेदनशील महिला है । जो अपने हर रूप में परिपूर्ण है। डॉ.मीना काव्य संग्रह कैलाशी की भूमिका में लिखती है की कविता पाठकों को उनके हृदय के भीतर उत्पन्न होते स्थाई भाव को जागृत करने का कार्य करती आई है। डॉ. मीना ने काव्य संग्रह कैलाशी में अपने मन के भावो को लिखा है ।

समीक्षक
राजेंद्र यादव आजाद
(साहित्यकार) व वरिष्ठ सहायक
रा.उच्च मा.वि.कुंडल, जिला दौसा, राजस्थान।

वर्ल्ड संगठन के निदेशक मनीष सक्सेना सम्मानित

वन्यजीव संरक्षण के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्यों को मिला सम्मान

जयपुर. शाबाश इंडिया

वन विभाग राजस्थान सरकार द्वारा आयोजित राज्यस्तरीय समारोह के अवसर पर अरण्य भवन ऑडिटोरियम में मुख्य वन संरक्षक (वन्यजीव) एवं निदेशक, राजस्थान वानिकी एवं वन्यजीव प्रशिक्षण संस्थान शैलजा देवल, उपवन संरक्षक वन्यजीव संग्राम सिंह कटियार एवं सहायक वनसंरक्षक रघुवीर मीणा ने वन्यजीव संरक्षण के क्षेत्र में उत्कृष्ट एवं सराहनीय सेवाओं के लिए एनिमल वेलफेयर बोर्ड ऑफ इंडिया, भारत सरकार के प्रतिनिधि एवं वाइल्ड लाइफ क्राइम कन्ट्रोल ब्यूरो के मनीष सक्सेना को प्रशस्ति पत्र एंव स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। उल्लेखनीय है कि वर्ल्ड संगठन के निदेशक मनीष सक्सेना पिछले दो दशको से भी अधिक समय से राजस्थान में वन्यजीव संरक्षण, पशु कल्याण एवं उनके अधिकारो के लिए कार्यरत है। मनीष सक्सेना द्वारा वन्यजीव संरक्षण तथा पशु कल्याण के क्षेत्र में किए गए उत्कृष्ट योगदान एवं सेवाओं को देखते हुए राजस्थान सरकार द्वारा उन्हें अनेको बार सम्मानित किया गया है। उन्हें राजस्थान सरकार द्वारा वन विभाग का मानद् वन्यजीव प्रतिपालक एवं राज्य के विभिन्न जिलों में गठित पशु क्रूरता निवारण समितियों का सदस्य भी मनोनीत किया गया। वर्तमान में सक्सेना राजस्थान में प्रतिनिधि, एनिमल वेलफेयर बोर्ड ऑफ इंडिया, भारत सरकार के पद पर कार्यरत हैं इसके अतिरिक्त मनीष सक्सेना भारत सरकार के वाइल्ड लाइफ क्राइम कंट्रोल ब्यूरो एवं पशुओं पर परीक्षण के नियंत्रण एवं पर्यवेक्षण के प्रयोजनार्थ समिति (सीपीसीएसईए) को भी अपनी सेवाएँ प्रदान कर रहे हैं। इस अवसर पर प्रतिनिधि, एनिमल वैल्फेयर बोर्ड ऑफ इंडिया एवं वाइल्ड लाइफ क्राइम कन्ट्रोल ब्यूरो के मनीष सक्सेना के नेतृत्व मे चलाए जा रहे पैन्थरा पेरेडस कॉल फॉर कॅन्सर्वेशन परियोजना के अर्न्तगत स्वस्थ मानव वन्यजीव सह-अस्तित्व विषय परे राज्यस्तरीय हस्ताक्षर अभियान की शुरूआत की गई जिसमे सम्पूर्ण राजस्थान के विद्यालयो मे विद्यार्थी हस्ताक्षर कर तेंदुआ को बचाने का संकल्प लेंगे।

विज्ञातीर्थ पर आयोजित होगा
10 दिवसीय महार्चना जाप्यानुष्ठान

''खरा सो मेरा'' की सोच अपनायें ''मेरा सो खरा'' के भ्रम में न रहें

गुंसी, निवाई. शाबाश इंडिया। श्री दिगम्बर जैन सहस्त्रकूट विज्ञातीर्थ गुन्सी के तत्वावधान में 15 - 24 अक्टूबर 2023 तक 10 दिवसीय महार्चना एवं विश्वशांति महायज्ञ जाप्यानुष्ठान का महाआयोजन होने जा रहा है। गणिनी आर्यिका विज्ञाश्री माताजी ससंघ सान्निध्य में आज के चातुर्मास कर्त्ता परिवार श्री जिनेन्द्र जी गंगापुर सिटी वालों ने हर्षोल्लास पूर्वक श्री शांतिनाथ महामण्डल विधान रचाया। भगवान शांतिनाथ की आराधना करते हुए मंडल पर 120 अर्घ्य चढ़ायें गये । विधान समापन के पश्चात मंगल आरती उतारी गई। प्रवचन सभा में उपस्थित श्रावकगणों को सदुपदेश देते हुए माताजी ने कहा कि - अनेकांत का अर्थ है - जीवन के सभी पहलुओं की एक साथ स्वीकृति। अनुभव के अनन्त कोश होते हैं और प्रत्येक कोण पर खड़ा आदमी सही है, लेकिन भूल वही हो जाती है जब वह अपने कोण को ही सर्वग्राही बनाना चाहता है। वस्तुतः हमारा अहंकार हमें तोड़ता है। अहंकार समस्याएं पैदा करता है । परंतु अनेकांत सह अस्तित्व की वकालत कर समस्याओं को दूर करता है। भगवान महावीर करते हैं कि - मनुष्य अनेक संभावनाओं का पुंज है। मनुष्य क्या हर वस्तु में अनेक गुणों के अस्तित्व की संभावनाएं भरी पड़ी है। परंतु उसे समझने के लिए एक समग्र दृष्टि चाहिए। अनेकांत की सोच लेकर जीने वाला व्यक्ति ''खरा सो मेरा'' के आदर्श को अपनाता है।

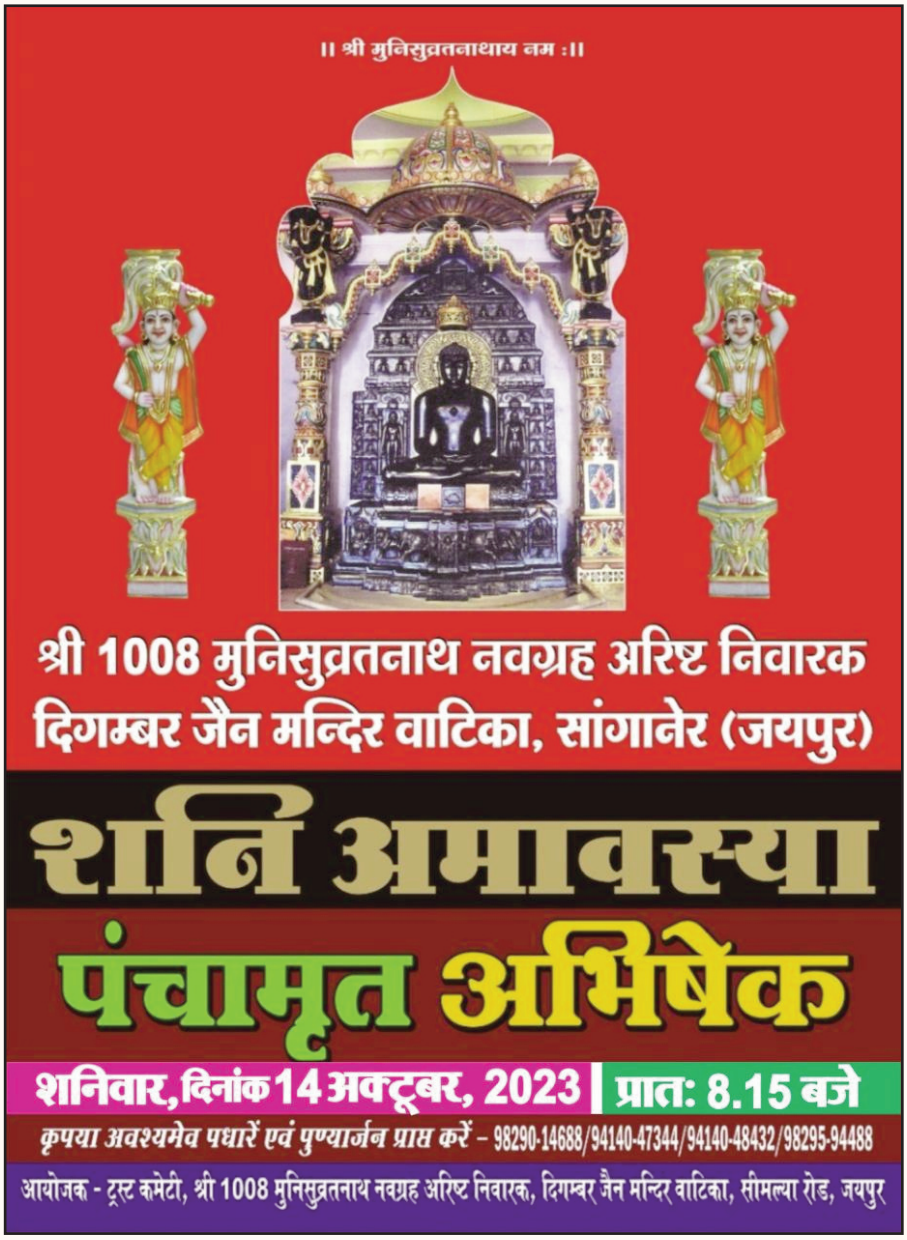

अखिल भारतवर्षीय दिगंबर जैन युवा परिषद मानसरोवर संभाग की 21 वी विशाल पदमपुरा पदयात्रा आयोजित

जयपुर. शाबाश इंडिया

अखिल भारतवर्षीय दिगंबर जैन युवा परिषद मानसरोवर के अध्यक्ष अशोक बिंदायका (जोला वाले) पारस जैन बोहरा (दुदू वाले) महामंत्री ने बताया कि दिनांक 7 अक्टूबर 2023 शनिवार को विशाल बाड़ा पदमपुरा आयोजित की गई। पदयात्रा का शुभारंभ वरुण पथ जैन मंदिर से हुआ। पदयात्रा को परिषद के परम शिरोमणि सरक्षक राजीव जैन, सतीश कासलीवाल, ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया । 200 यात्री पदयात्रा मे शामिल हुए । पदयात्रियों ने शाम का वात्सल्य भोज मोहनलाल चंद्रवती ट्रस्ट सेक्टर 10 प्रताप नगर जयपुर मे किया' रात्रि करीब 1.00 पदमपुरा पहुंचे। 8 अक्टूबर 2023 को सुबह शांति विधान की पूजा भक्ति भाव से की गई ' पूजन के बाद 3 भाग्यशाली विजेताओं को पुरस्कार दिया । सभी पदयात्रियों को आकर्षक पुरस्कार भी दिया गया । कार्यक्रम मे युवा परिषद के राष्ट्रीय महासचिव उदय भान जैन,प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जैन ,रवि गोदिका ,नीरज जैन, रुचि जैन, मंजू अग्रवाल आदि सदस्य उपस्थित रहे। अंत मे परिषद के महामंत्री पारस जैन बोहरा ने आने वाले सभी अतिथियों व पदयात्रा के सभी संयोजक,सभी पदयात्रियों का धन्यवाद ज्ञापित किया।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

बिना तकिये के सोने से क्या लाभ होता है?

डॉ पीयूष त्रिवेदी
आयुर्वेदाचार्य
चिकित्साधिकारी राजकीय
आयुर्वेद चिकित्सालय राजस्थान
विधानसभा,जयपुर। 9828011871

इंसान की जो रचना उस रचयिता ने बनाई हैं उसमें हमारी रीढ़ की हड्डी जिस तरह से बनी है उसमें उसने शरीर के आकार के अनुसार सीधापन रखा हैं ।इस अनेक छोटे छोटे टुकड़ों के जोड़ों के बीच में से हमारी संवेदी सूचनाएं शरीर में आसानी से प्रवाहित होती हैं ।यह हड्डी की विशेष संरचना हमारी सीट से लेकर हमारी दिमाग प्रणाली तक जुड़ी होती हैं ।इसकी रचना इंसानी शरीर की जरूरतों अनुसार ही होती हैं ।जो सूचनाओं को एक सीधे मार्ग से पहुँचा सकें।जब हम सिर के नीचे तकिया लेना शुरू कर देतें हैं तब इस रचना में काफी बदलाव आने लगता हैं ।और यह बदलाव तब ज्यादा रहता हैं जब शरीर को उसका सारा तनाव दूर करने की सबसे ज्यादा आवश्यकता हों ।अर्थात जब हम रात में सो रहें होते हैं तब शरीर सबसे शिथिल अवस्था में होता हैं। दिन भर हम पैरों के ऊपर खड़े अवस्था में ज्यादा होते हैं जिसमें बैठे रहना भी शामिल हैं।इस अवस्था में हमारे शरीर के सारे अवयवों का तनाव पैरों की ओर होता हैं ।और जब सोतें हैं तब वह तनाव से मुक्त हो कर अपनी सही अवस्था को प्राप्त कर रहें होते हैं , जिससे हमारे थकान का सारा भार रीढ़ की हड्डियों पर आता है , जिससे वह सभी सूचनाएं सही तरीके से फैला सकें।जब हमारी गर्दन तकिए पर आ जाती हैं तब गर्दन से दिमाग तक कि इन नस नाड़ियों को पीठ की सिध न प्राप्त होते हुए ऊंचाई मिलती हैं जिससे उसका तनाव हल्का होने में परेशानी होने लगती हैं।जब यह तनाव बढ़ता जाता हैं तब हमें सर्वाइकल की समस्या होनी शुरू होती हैं ।इतना हीं नहीं बल्कि सिर में सही तरह से रक्त का आवागमन भी बाधित होने लगता हैं जिससे सिर दर्द, आंखे कमजोर होती जाना, सो कर जागते ही सिर भनभनाना, कुछ सेकंड के लिए चक्कर आना, सिर भारी रहना, जल्दी से कोई बात न समझ आना, सूझबूझ में कमी आदि की समस्या से भी रूबरू होना पड़ सकता हैं। इतना ही नहीं बल्कि आध्यात्मिक शास्त्र के अनुसार जब हम सो रहें होते हैं तब हमारे दिमाग में अल्फा, बीटा, और गामा तरंग बनते हैं इन तरंगों में इंसानी बुध्दि ही नहीं बल्कि इंसानी आध्यात्मिक मानसिक शक्ति की उन्नति होती हैं ।इन्ही तरंगों से हमारी एकाग्रता शक्ति भी बढ़ती हैं ।इन तरंगों के चलते वक्त हम प्रकृति से उस अकाट्य अनाकलनीय शक्ति को समझने और पाने की भी कोशिश कर सकते हैं। यह सारी अतीन्द्रीय सूचनाएं हमें मूलाधार स्थित कुंडलीनी शक्ति से प्राप्त होती हैं जो उस वक्त मूलाधार से उन चमत्कारी सूचनाओं को सहस्त्रार में अर्थात दिमाग में पहुंचाता हैं। अब ऐसे में यदि हम सिर के नीचे तकिया लेतें हैं तो हम इस स्वर्णिम फायदें से भी वंचित हो जातें हैं। जब डॉक्टर कोई आपरेशन करता हैं फिर वह कोई भी हों तब जिसका आपरेशन हुआ होता हैं उसे तकिया न लेने देते हैं क्योंकि उससे मरीज को सिर दर्द की आजीवन समस्या होने लगती हैं ऐसा उनका मानना हैं ।तो बात साफ हैं इन सारी समस्या की जड़ तकिया लेना ही हैं तो उन सारे लाभों को पाने का उपाय भी तकिया न लेना ही हैं ।

जैन धर्म की संक्षिप्त जानकारी प्रदान करने वाली पुस्तक

जैन धर्म से सम्बंधित ऐसी पुस्तकें कम हैं जो जैन धर्म के इतिहास, इसके कुछ मुख्य सिद्धांतों तथा प्रमुख जैन तीर्थों की संक्षिप्त जानकारी प्रदान कर सकें। डॉ. अनिल कुमार जैन द्वारा लिखित पुस्तक "A brief introduction to Jainism" इस कार्य को पूरा करने में सक्षम है। जैन धर्म दुनियाँ के सबसे पुराने धर्मों में से एक है, यह महावीर से बहुत पहले अस्तित्व में था। भगवान् ऋषभनाथ जैन धर्म के चौबीस तीर्थंकरों में पहले तीर्थंकर थे। ऋषभनाथ का वर्णन वेदों में भी मिलता है। जैनधर्म वैदिक-धर्म और बौद्धधर्म से अलग है, इस बात को इसमें स्पष्ट किया गया है। सम्राट अशोक के पितामह राजा चन्द्रगुप्त मौर्य थे जिन्होंने बाद में दिगंबर मुनि दीक्षा ग्रहण कर ली थी। णमोकार मन्त्र जैन धर्म का महान मन्त्र है, इसका प्राचीनतम उल्लेख भुवनेश्वर के निकट स्थित उदयगिरी पहाड़ी में स्थित हाथी गुफा के एक लेख में मिलता है जो ईसा पूर्व दूसरी शताब्दी का है। अहिंसा और अनेकांत जैन धर्म के महत्वपूर्ण सिद्धांत हैं। अहिंसा को परम धर्म कहा गया है तथा मोक्ष का कारण बताया गया है। जैनाचार्यों ने अहिंसा को जीवन में उतरने के लिए संयमित जीवन जीने का उपदेश दिया है। अनेकांत विभिन्न धर्मों के बीच अलग-अलग दृष्टिकोणों के मतभेदों को समाप्त करता है। अनेकांत, स्याद्वाद और नयवाद क्या हैं, इसको भी स्पष्ट किया गया है। ऐतिहासिक एवं कला की दृष्टि से प्रसिद्ध कुछ जैन तीर्थस्थलों के बारे में भी जानकारी दी गई है। देशभर में अनेक जैन तीर्थ उपलब्ध हैं जो अपनी भव्यता के लिए प्रसिद्ध हैं। कर्नाटक के श्रवणबेलगोला में स्थित भगवान् बाहुबली की एक ही पत्थर से बनी 57 फीट की प्रतिमा विश्व प्रसिद्ध है. आबू में स्थित दिलवाडा के जैन मंदिर अपनी अद्वितीय सुन्दरता के लिए प्रसिद्ध हैं। जैन साहित्य प्रचुर मात्रा में उपलब्ध है। ऐसा माना जाता है कि यह सभी धर्मों में सबसे अधिक और विशाल है। यह प्राकृत, संस्कृत, अपभ्रंश, कन्नड़, मराठी, हिंदी, ब्रज आदि विभिन्न भाषाओं में उपलब्ध है। सबसे पुराना लिखित जैन आगम 'षट्खंडागम' है जो पहली शताब्दी में आचार्य पुष्पदंत और आचार्य भूतबली द्वारा गुजरात के अंकलेश्वर नगर में लिखा गया था। यह पुस्तक इन सब बातों की संक्षिप्त प्रारंभिक जानकारी प्रदान करने में बहुत सहायक है।

पुस्तक समीक्षा

पुस्तक का नाम:
A brief introduction to Jainism

लेखक: डॉ. अनिल कुमार जैन

प्रकाशक: इंफिनिटी एजुकेसन्स
(@7665634999) एवं प्राकृत भारती, जयपुर

ISBN: **9789393567475**

(Amazon **पर भी उपलब्ध)**

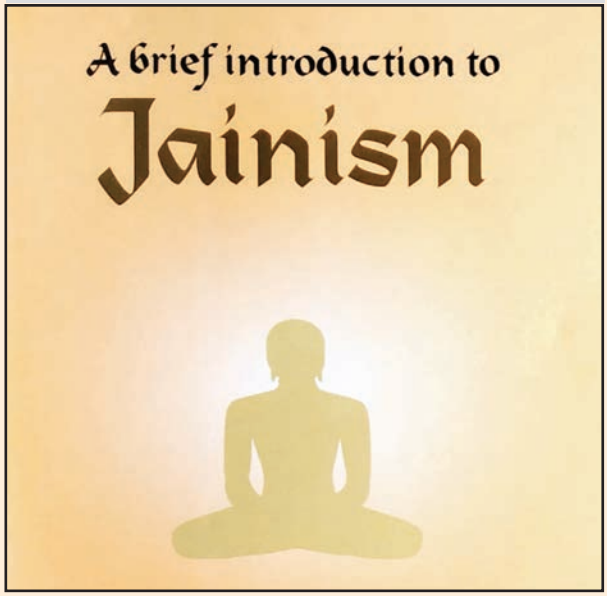

जैनाचार्यों ने अहिंसा को जीवन में उतरने के लिए संयमित जीवन जीने का उपदेश दिया है। अनेकांत विभिन्न धर्मों के बीच अलग-अलग दृष्टिकोणों के मतभेदों को समाप्त करता है। अनेकांत, स्याद्वाद और नयवाद क्या हैं, इसको भी स्पष्ट किया गया है।

"मन स्वस्थ तो तन स्वस्थ"

परिचर्चा का हुआ भव्य आयोजनः वर्ल्ड मेंटल हेल्थ डे पर सन्मति ग्रुप द्वारा राजस्थान रीजन के तत्वावधान में हुआ आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया

वर्ल्ड मेंटल हेल्थ डे पर दिगंबर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन राजस्थान रीजन जयपुर के तत्वावधान में दिगंबर जैन सोशल ग्रुप सन्मति द्वारा निशुल्क मेंटल हेल्थ अवेयरनेस कैंप का आयोजन साइकोलॉजिकल काउंसलिंग सेंटर मालवीय नगर जयपुर पर डॉ अनामिका पापड़ीवाल काउंसलिंग साइकोलॉजिस्ट एवं साइकोथैरेपिस्ट द्वारा किया गया। ग्रुप अध्यक्ष राकेश - समता गोदिका व सचिव अनिल निशा संघी ने बताया कि प्रमुख समाज सेवी ज्ञानचंद झांझरी ने दीप प्रज्वलित कर समारोह का शुभारंभ किया, समारोह के मुख्य अतिथि प्रमुख समाज सेवी, मुनिभक्त उत्तम जी पांड्या थे तथा प्रसिद्ध प्रतिष्ठाचार्य विमल जी बनेठा विशिष्ट अथिति थे। रीजन अध्यक्ष राजेश बड़जात्या व महा सचिव निर्मल संघी ने बताया कि परिचर्चा के अंतर्गत उपस्थित लोगों ने अपनी रोजमर्रा की जिंदगी में आने वाली समस्याओं, डिप्रेशन, चिंता, तनाव, नेगेटिविटी, ओवरथिंकिंग, नींद की समस्या, डउऊ अऊळ्ऊ ढळरऊ एडिक्शन जैसी मानसिक समस्याओं के अतिरिक्त परिवार, व्यवहारिक, वैवाहिक, वैवाहिक पूर्व, सीनियर सिटीजंस, विद्यार्थी और कार्य क्षेत्र से संबंधित समस्याओं के लिए अपनी शंकाओं को रखा तथा बिना किसी दवा के केवल परामर्श द्वारा समाधान कैसे प्राप्त किया जा सकता है, यह डॉक्टर अनामिका पापड़ीवाल ने बताया। उनके अनुसार मानसिक स्वास्थ्य हमारा

सार्वभौमिक अधिकार है 2023 की वर्ल्ड मेंटल हेल्थ डे पर आधारित इस थीम पर ''मन स्वस्थ तो तन स्वस्थ'' कार्यक्रम में आयोजित परिचर्चा और मेंटल हेल्थ अवेयरनेस कैंप का आयोजन इसी उद्देश्य से किया गया हैं। जिसमें मुख्य वक्ता काउंसलिंग साइकोलॉजिस्ट एवं साइकोथैरेपिस्ट डॉ अनामिका पापड़ीवाल ने आज के समय में मानसिक स्वास्थ्य की जागरूकता पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि बच्चे, टीनएजर्स, एडल्ट्स, बुजुर्ग एवं प्रोफेशनल्स मेंटल प्रॉब्लम्स के शिकार हो रहे है। पिछले एक दशक से इसकी व्यापकता बड़ी है इसके अनेक कारण हो सकते हैं जरूरी यह है कि परिवार में यदि कोई भी किसी भी तरह की मानसिक समस्या में उलझा हुआ है उसका व्यवहार बदल रहा है तो इस बात को स्वीकार करें और प्रोफेशनल साइकोलॉजिस्ट से परामर्श लें। यही आपकी मानसिक समस्या पर पहली विजय होगी। आज अल्टरनेटिव सॉल्यूशन की जरूरत है। काउंसलिंग साइकोलॉजिस्ट विभिन्न तरह की टॉक थेरेपी, साइको थेरेपी जिसमें ब्रेनवाश थेरेपी, कॉग्निटिव बिहेवियर थेरेपी, प्ले थेरेपी, फैमिली थेरेपी सहित कई थेरेपी के द्वारा बिना किसी दवा के सिर्फ काउंसलिंग से समस्या का समाधान करते हैं। कार्यक्रम के अंत में ग्रुप सदस्यों ने अपनी समस्याओं के समाधान भी प्राप्त किये और मानसिक स्वास्थ्य की जरूरत को पहचाना। मेंटल हेल्थ पर आयोजित फ्री कैंप में लगभग 30 लोगों ने अपनी समस्याओं के बारे में बातचीत की। यह कैंप दोपहर 12:00 बजे से 4:00 बजे तक आयोजित किया गया। दीप प्रज्वलन कर्ता ज्ञानचंद झांझरी ने कहां की आने वाले समय में हम मानसिक स्वास्थ्य की जागरूकता के लिए और ज्यादा जागरूक होंगे और ज्यादा से ज्यादा इस पर परिचर्चा आयोजित कराएंगे। मुख्य अतिथि उत्तमचंद पांडया ने परिचर्चा की बहुत सराहना की और इसे वर्तमान समय की जरूरत बताया। नॉर्दन रीजन अध्यक्ष राजेश बड़जात्या साहब ने सन्मति ग्रुप अध्यक्ष राकेश गोदिका जी की बहुत सराहना की और उन्हें इस तरह की परिचर्चा आयोजित करने के लिए धन्यवाद दिया। चेतन पापडीवाल के अनुसार इस अवसर पर चक्रेश जैन, मुकेश जैन, प्रकाश चंद छाबड़ा, मिथिलेश जैन, मैंना गंगवाल, पदमचंद जैन भौच, विमल जैन, शिमला जैन, पुष्पा जैन, सुमित्रा छाबड़ा, मोहना पाडलिया, सतीश काला आदि की भी गौरव मय उपस्थिति रही।